धरती माँ के लिए प्रार्थना

हे परं ब्रह्म
दैविक पिता, दैविक माता
मेरी उच्चतम आत्मा
मेरे आध्यात्मिक मार्गदर्शक, सहायक एवं गुरुजन
समस्त आध्यात्मिक मार्गदर्शक, सहायक एवं गुरुजन
समस्त उपचारात्मक देवदूत
धरती माँ के दिव्य रक्षक
धरती माँ के समस्त प्राकृतिक प्राणी
महान कर्म मंडल

मैं विनम्रतापूर्वक दिव्य आशीर्वाद का आह्वान करता हूँ कि मैं धरती माँ पर ईश्वर के आशीर्वाद का साधन बना हूँ
ईश्वर आप मेरा तदनुसार मार्गदर्शन करें व मुझे सुरक्षा प्रदान करें

मैं वह हूँ जो मैं हूँ
धरती माँ पर दिव्य प्रकाश, दिव्य शक्ति व दिव्य विवेक बना रहे
दिव्य प्रकाश उन सभी नकारात्मक ऊर्जाओं को प्रज्जवलित कर डाले जो धरती माँ पर एकता व एकात्मकता को रोक रही हैं

धरती माँ पर शान्ति व सद्भावना बनी रहे
धरती माँ पर धन, धान्य व जल की प्रचुरता हो
धरती माँ का प्रत्यावर्तन हो व उसको नया जीवन मिले

सभी प्राणियों में प्रेम, दया, करुणा, आनंद व आध्यात्म की प्रचुरता हो
धरती माँ पर ईश्वर के नाम की ज्योति को जलाये रखने वाले सभी लोगों पर दिव्य प्रकाश, दिव्य शक्ति, दिव्य विवेक व दिव्य ज्ञान का आशीर्वाद बना रहे
ईश्वर सभी के अन्दर से डर व संशय को दूर करें व सभी प्राणियों में एकात्मकता जागृत करें

हे ईश्वर आपका धन्यवाद धन्यवाद धन्यवाद

पूजा स्थल - मंदिर आदि के लिए प्रार्थना

हे परं ब्रह्म
दैविक पिता, दैविक माता
मेरी उच्चतम आत्मा
मेरे आध्यात्मिक मार्गदर्शक, सहायक एवं गुरुजन
समस्त आध्यात्मिक मार्गदर्शक, सहायक एवं गुरुजन
समस्त उपचारात्मक देवदूत एवं दैविक प्राणी
महान कर्म मंडल
हे ईश्वर मैं विनम्रतापूर्वक दिव्य आशीर्वाद का आह्वान करता हूँ
कि मैं इस स्थान पर आपके आशीर्वाद का साधन बना हूँ
आप मेरा तदनुसार मार्गदर्शन करें व मुझे सुरक्षा प्रदान करें
मैं वह हूँ जो मैं हूँ
इस स्थान पर दिव्य प्रकाश कि प्रचुरता हो
दिव्य प्रकाश दिव्य अग्नि बनकर संपूर्ण नकारात्मक ऊर्जा को प्रज्ज्वलित कर उसे दिव्य प्रकाश में परिवर्तित कर डाले
यह दिव्य अग्नि इस स्थान के कोने - कोने में प्रवाहित हो
यहाँ अग्नि हो, अग्नि हो, अग्नि हो, केवल दिव्य अग्नि हो
इस स्थान पर आशीर्वाद हो कि यहाँ दिव्य प्रेम, दिव्य करुणा, दिव्य दया की प्रचुरता हो, उपचारात्मक ऊर्जाओं की प्रचुरता हो, सम्पन्नता, प्रसन्नता, दैविक सामंजस्यता की प्रचुरता हो, आध्यात्मिकता एवं दिव्य आनंद हो
सभी के अन्दर से हर प्रकार का डर एवं संशय दूर करें
जो भी यहाँ उपचार के लिए आये उसे आरोग्य प्राप्त हो
सभी को विवेक व ज्ञान का आशीर्वाद प्राप्त हो
सब दुःखों की जगह, प्रसन्नता व आनंद भर जाये
सभी को सम्पन्नता की प्रचुरता का आशीर्वाद प्राप्त हो
सभी लोग दूसरों को देने के लिए व बाँटने के लिए तत्पर रहें
सभी में एकात्मकता हो
सब के दिलों में शान्ति, सद्भावना एवं एकता हो
यहाँ उपस्थित सभी दिव्य प्राणियों को दिव्य प्रकाश, दिव्य शक्ति, दिव्य प्रेम, दिव्य करुणा, दिव्य दया, दिव्य विवेक, दिव्य ज्ञान और आध्यात्मिकता की प्रचुरता का आशीर्वाद प्राप्त हो
यहाँ के कार्यवाहकों को दिव्य मार्गदर्शन का आशीर्वाद मिले जिससे वह अपना काम पूरी सच्चाई एवं पवित्र भाव से करें
हे ईश्वर आपका धन्यवाद धन्यवाद धन्यवाद

आध्यात्मिक प्रार्थना

अपनी आध्यात्मिक शक्ति की वृद्धि हेतु

एवं

अपनी उच्चतम आत्मा से संपर्क स्थापित करने हेतु

www.pranaviolethealing.com

Revised JULY 2017

(यह पढ़ते समय दिव्य अग्नि को अपनी ओर आने दें व इस दिव्य अग्नि को अपने आपको चारों ओर से घेरने दें)

मैं दिव्य अग्नि का प्राणी हूँ
मैं वह पवित्रता हूँ जिसकी ईश्वर अभिलाषा करते हैं

(3 मिनट या अधिक, ज़रूरत अनुसार दिन में कितनी भी बार कर सकते हैं)

(यह दो लाइनें आप अपने घर,ऑफिस, गाँव, शहर, देश, पति, पत्नी, बच्चों व अन्य किसी व्यक्ति के लिए भी बोल सकते हैं ,जैसे 'मेरा घर दिव्य अग्नि का स्थान है, मेरा घर वह पवित्रता है जिसकी ईश्वर अभिलाषा करते हैं)
(प्रत्येक को 1 मिनट के लिए करें)

धरती, आकाश और समुन्दर के प्राकृतिक प्राणी दिव्य अग्नि के प्राणी हैं
धरती, आकाश और समुन्दर के प्राकृतिक प्राणी वह पवित्रता हैं जिसकी ईश्वर अभिलाषा करते हैं (1 मिनट)

धरती माँ दिव्य अग्नि का ग्रह है
धरती माँ वह पवित्रता है जिसकी ईश्वर अभिलाषा करते हैं
(1 मिनट)

हमारा चंद्रमा दिव्य अग्नि का उपग्रह है
हमारा चंद्रमा वह पवित्रता है जिसकी ईश्वर अभिलाषा करते हैं
(1 मिनट)

हमारा सूर्य दिव्य अग्नि का सितारा है
हमारा सूर्य वह पवित्रता है जिसकी ईश्वर अभिलाषा करते हैं
(1 मिनट)

मैं हूँ

मैं यह भौतिक शरीर नहीं हूँ
मैं वह हूँ जो मैं हूँ (7 सैकिंड शांत रहें)

मैं यह ग़लत भावना नहीं हूँ
मैं वह हूँ जो मैं हूँ (7 सैकिंड शांत रहें)

मैं यह ग़लत विचार नहीं हूँ
मैं वह हूँ जो मैं हूँ (7 सैकिंड शांत रहें)

मैं यह विचलित मन नहीं हूँ
मैं वह हूँ जो मैं हूँ (7 सैकिंड शांत रहें)

मैं एक आत्मा हूँ, मेरा शरीर ईश्वर का मंदिर है
मैं एक दिव्य चिंगारी हूँ, ईश्वर मेरा विधाता है
मैं ईश्वर के साथ एकाकार हूँ

दिन प्रतिदिन मैं अपने कर्मों का संतुलन कर रहा/ रही हूँ
मैं यह दिव्य निर्देशन व योजना स्वीकार कर रहा/ रही हूँ
मैं ईश्वर की बनाई परिपूर्ण कृति तन- मन- आत्मा रूप में व्यक्त हूँ

मैं ईश्वर की पवित्रता हूँ एवं ईश्वर का प्रतिरूप हूँ
मैं वह पवित्रता हूँ जिसकी ईश्वर अभिलाषा करते हैं

मैं वह हूँ जो मैं हूँ
मैं वह हूँ जो मैं हूँ
मैं वह हूँ जो मैं हूँ

मैं ईश्वर के साथ एकाकार हूँ, मैं सभी के साथ एकाकार हूँ

मैं रोशनी हूँ

मैं रोशनी हूँ, उज्ज्वल रोशनी , प्रचंड रोशनी , प्रस्फुटित होती हुई रोशनी

ईश्वर मेरे अन्दर के अंधकार का क्षय कर
उसे रोशनी में परिवर्तित कर रहे हैं

आज के दिन, मैं सार्वलौकिक सूर्य का केंद्र बिंदु हूँ
मेरे अन्दर से होकर एक निर्मल नदी बहती है
मैं रोशनी का ऐसा जीवंत फुव्वारा हूँ जो इंसानी भावनाओं और विचारधारा से परे हूँ

मैं ईश्वर की दूरस्थ सीमा चौकी हूँ
मैं रोशनी की ऐसी शक्तिशाली नदी हूँ जो उस अंधकार को निगल जायेगी जिसने मेरा ग़लत इस्तेमाल किया

मैं रोशनी , मैं रोशनी , मैं रोशनी हूँ
मैं रोशनी में रहता हूँ, रहता हूँ, रहता हूँ

मेरा पूर्ण आयाम रोशनी है
मेरा पूर्ण अभिप्राय रोशनी है

मैं रोशनी हूँ, रोशनी हूँ, रोशनी हूँ

मैं दुनिया में जहाँ भी जाता हूँ , वहाँ रोशनी की बाढ़ ले आता हूँ

ईश्वर का आशीष सब तक पहुँचाता हूँ, ईश्वर के राज्य का उद्देश्य मज़बूत करता हूँ व इस उद्देश्य को सभी तक पहुँचाता हूँ

मैं रोशनी हूँ, रोशनी हूँ, रोशनी हूँ